शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन में रिबन काट कर 'शिव संजीवनी हर्बल काढ़ा डिपार्टमेंट' का शुभारंभ करते हुए संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी। साथ ही दादी ने दीप प्रज्वलित कर और शिला पट्टिका का अनावरण कर हर्बल डिपार्टमेंट के नए भवन की नींव रखी और अपने आशीर्वचन दिए। इस मौके पर हर्बल डिपार्टमेंट के मार्गदर्शक वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई, दादी की निज सचिव राजयोगिनी ब्र.कु. लीला दीदी, हर्बल डिपार्टमेंट की नींव रखने वाले ब्र.कु. पानमल भाई व आयुर्वेदाचार्य ब्र.कु. राम शंकर भाई सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

अभिमान... सब बुराइयों का मूल

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

अभिमान कई तरह का हो सकता है लेकिन सेवा का भी एक अभिमान होता है। सेवा अर्थात् जिसमें दूसरों का भला करने का भाव समाया होता है, अपना त्याग करके दूसरों का लाभ करें, लेकिन उसमें भी माया का अभिमान आ जाता है। देह अभिमान एक प्रकार का अभिमान है, सेवा अभिमान दूसरे प्रकार का अभिमान है। इसीलिए सेवा करने के बाद कहते हैं कि अभी भट्ठी कर लो।

सबसे बड़ा त्याग है- देह अभिमान का त्याग। जब देह अभिमान का त्याग हो गया तो सब त्याग उसमें समा गये। जैसे कहते हैं हाथी के पांव में सबका पांव शामिल हो जाता है। अगर यह एक त्याग हमसे हो गया तो सब त्याग हो जायेंगे। बाबा रोज मुरली में कहते हैं- बच्चे, देही अभिमानी बनो, देह अभिमान छोड़ो। लेकिन हम इस पर अभी तक सफलता नहीं प्राप्त कर पाये हैं। यह हमारा आलस्य है, गफलत है। ऊंचे से ऊंचा पढ़ाने वाला हमें मिला है लेकिन हम इस पर अभी तक सफलता प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए बाबा ने इस पर महत्त्व देते हुए कहा है कि सबसे बड़ा त्याग है देह अभिमान का त्याग। अभिमान तो सब बुराइयों का मूल है। चाहे वह देह अभिमान हो, चाहे ज्ञान का अभिमान हो, चाहे अपने योगीपन का अभिमान हो कि मैं बहुत बड़ा योगी हूँ। अभिमान कई तरह का हो सकता है लेकिन सेवा का भी एक अभिमान होता है। सेवा अर्थात् जिसमें दूसरों का भला करने का भाव समाया होता है, अपना त्याग करके दूसरों का लाभ करें, लेकिन उसमें भी माया का अभिमान आ जाता है। देह अभिमान एक प्रकार का अभिमान है, सेवा अभिमान दूसरे प्रकार का अभिमान है। इसीलिए सेवा करने के बाद कहते हैं कि अभी भट्ठी कर लो। जैसे मेला मलाखड़ा करने के बाद काफी कूड़ा-करकट जमा हो जाता है, सफाई की ज़रूरत होती है, ऐसे ही सेवा के बाद स्वउन्नति के प्रोग्राम रखते हैं। हमें दत्तचित्त होकर, अटेन्शन से, सबको साथ में मिलाकर कोई भी सेवा करनी है। इससे सफलता होनी ही है। उसमें बहुत से लोगों ने दान का पैसा लगाया है, उन्होंने बाबा को सामने रखकर दिया है। तो बाबा उसको सफल तो करेंगे ही। जब उन्होंने शुभ भावना, शुभ कामना से दिया है तो वह फलीभूत तो होगा ही। जब वह फलीभूत होता है, सेवा का फल निकलता है, तब जो विशेष निमित्त बनते हैं उनकी लोग प्रशंसा करते हैं। उस प्रशंसा को सुनते-सुनते सेवा की भावना गौण होने लगती है और "मैं भी कुछ हूँ" - यह भावना बढ़ने लगती है। क्योंकि आत्मा देह में रहती है, देह के नाम से लोग हमें पुकारते हैं, देह के सम्बन्धों की चर्चा होती है, देह से बर्ताव करते हैं तो फल यह होता है कि देह अभिमानी बन जाते हैं।

इसी प्रकार सेवा में आते-आते जब प्रशंसा की बजाय कोई उसका उल्टा शब्द बोल देते हैं तो हम उसको अपना शत्रु समझ लेते हैं। हम समझते हैं कि यह हमारा विरोधी है। उससे हमारी अनबन हो जाती है, मन-मुटाव हो जाता है। त्याग भावना और तपस्या भावना छोड़कर यदि कोई सेवा करता है तो बाकी क्या रह जाता है? इसलिए जब देह अभिमान के बजाय सेवा अभिमान हो जाता है, चाहे प्रशंसा से या किसी कारण से तेरा-मेरा, मान-शान। और जैसे-जैसे समय बढ़ता जाता है, ड्रामा का अन्तिम समय नज़दीक आता जाता है, यह चीज़ें बढ़ती जा रही हैं। इसलिए हम जमकर सेवा करें। बाबा कहते हैं तो यहाँ सेवा का ताज पहनेगा, वहाँ राज्य का ताज पहनेगा। लेकिन सेवा के ताज के साथ अगर लाइट का ताज नहीं होगा, तपस्या का ताज नहीं होगा, त्याग का ताज नहीं होगा तो वहाँ राज्य का ताज नहीं मिलेगा। इसलिए त्याग पर ध्यान देने की बहुत ज़रूरत है।

-क्रमशः

भुसावर-भरतपुर(राज.)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेड़म को भाई दूज का तिलक देते हुए ब्र.कु. गीता बहन।

धुलीखेल-कावरे(नेपाल)। स्थानीय नगर पालिका के भव्य हॉल में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र के रजत जयंती समारोह में कावरे जिला समन्वय समिति के प्रमुख दीपक कुमार गौतम, धुलीखेल नगर पालिका के मेयर अशोक कुमार बयांजू श्रेष्ठ, काठमांडू विश्वविद्यालय में योग और प्राकृतिक चिकित्सा प्रभाग के निदेशक डॉ. हेमराज कोइराला, नेपाल स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी, ब्र.कु. रामसिंह भाई, स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी बहन व ब्र.कु. राजू घाले सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

दिल्ली-करोल बाग(पांडव भवन)। दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कैंडल लाइटिंग करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी, अक्षय कपूर,संयोजक,बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ,भाजपा,दिल्ली प्रदेश, आनंद साहू,बीजेपी नेशनल थिंकर फॉर अनऑर्गनाइज़्ड वर्कर्स, जगमोहन गर्ग,डायरेक्टर,रेडिसन होटल तथा ब्र.कु. विजय बहन।

बरेली-चौपुला रोड(उ.प्र.)। श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर परम पूज्य स्वामी कैलाशनंद गिरि जी महाराज को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पार्वती बहन, ब्र.कु. नीता बहन एवं ब्र.कु. पारुल बहन। साथ हैं ब्र.कु. अनुराग भाई, ब्र.कु. अनूप भाई तथा अन्य।

बलांगीर-ओडिशा। लालाटिकरा स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व कल्याण भवन के दूसरी और तीसरी मंज़िल के नए भवन का उद्घाटन माउण्ट आबू से आए वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. राजू भाई तथा सम्बलपुर उपक्षेत्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. पार्वती दीदी ने किया। इसके पश्चात् स्थानीय ग्रिडको मैदान में 'आध्यात्मिक शक्ति से विश्व शांति' विषय पर स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती लीका साहू, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. उषा दीदी, वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. नथमल भाई, ब्र.कु. बिनी, ब्र.कु. सुशीला, ब्र.कु. दीपा तथा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व माउण्ट आबू से आए ब्र.कु. भाई-बहनों सहित 3000 से अधिक लोग शामिल रहे।

हाजीपुर-राजपूत कॉलोनी(बिहार)। नवरात्रि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय चैतन्य देवियों की झाँकी का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए स्थानीय भाजपा विधायक अवधेश सिंह, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. अंजलि बहन व अन्य ब्र.कु. बहनें।

अंबाला कैंट-दयाल बाग(हरियाणा)। दीपावली के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ऑल इंडिया टेंट एसोसिएशन हरियाणा के चेयरमैन नरेश भारद्वाज, ब्र.कु. कमलेश दीदी मुंबई, ब्र.कु. आशा दीदी, रोटरी प्रेसिडेंट दिनेश सेठी, एल्डर्स फोरम प्रेसिडेंट एडवोकेट कमलेश गुप्ता तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।